शुक्रवार

08 अगस्त 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 183
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

33 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

युद्ध स्तर पर राहत कार्य जारी

●संसाधनों के अभाव में सर्च अभियान प्रभावित ●सड़क मार्ग के सुचारु होने में लगेंगे कई दिन

लिमचिगाढ़ में बैली ब्रिज बनाने का कार्य शुरू

❑मलबे से मृतकों के शव तलाशना मुश्किल ❑❑धराली से भागीरथी तक बिछा है मलवा ही मलवा

विशेष संवाददाता

उत्तरकाशी। उत्तरकाशी के धराली में आपदा से हुई भयंकर तबाही को आज 4 दिन हो चुके हैं लेकिन अभी तक आपदा ग्रस्त क्षेत्र में पर्याप्त सहायता नहीं पहुंच सकी है तथा सड़क संपर्क मार्गों के सुचारू न हो पाने के कारण बचाव राहत कार्य हवाई सेवाओं के जरिए ही जारी है। हर्षिल से शुरू होने वाली इस तबाही के निशान धराली ही नहीं भागीरथी तक फैले हुए हैं। 20 हेक्टेयर क्षेत्र में मलवा व बोल्डरों के सिवाय कुछ भी नजर नहीं आ रहा है। मलवा व भारी बोल्डरों में जीवन की तलाश बिना मशीनी सहायता के संभव नहीं है, यही कारण है कि राहत व बचाव के लिए सेना के जवानों से लेकर एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और आईटीबीपी के जवान तथा सिविल सोसाइटी के लोग भी लापता और मृतकों के शव तलाशने में अभी भी असमर्थ है।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि सरकार व सेना ने यहां बचाव राहत में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। सेना के बचाव दलों के हजारों लोग यहां पहुंच चुके हैं सेना के चिनूक और एमआई-17 से लेकर कई हेलीकॉप्टर लगातार इस कोशिश में जुटे हैं लेकिन धराली में मौजूद मैनपॉवर बिना मशीनों और तकनीकी सहायता के उस 15-20 मोटी परत के मलबे और टनों भारी मलबे में कुछ भी तलाश कर पाने में स्वयं को असमर्थ पा रहे हैं। अब तक जिन लोगों को रेस्क्यू किया गया है वह गंगोत्री के मार्ग पर यात्री ही है जिनकी संख्या 500 से अधिक बताई जा रही है जबकि अभी इतने ही और लोगों के फंसे होने की बात भी कहीं जा रही है।

जहां तक बात धराली की है यहां 5 अगस्त दोपहर को आई आपदा में कितने लोग मरे और कितने लापता है तथा कितने घायल है उनकी कोई सही संख्या अब तक सामने नहीं आई है। सेना की विज्ञप्ति के अनुसार इस आपदा में 100 से अधिक लोगों के मरने की आशंका जताई गई है जबकि प्रशासन द्वारा अब तक सिर्फ 5-6 लोगों के मरने की बात की गई है क्योंकि इनके शव बरामद हो चुके हैं। कुछ प्रत्यक्षदर्शी भी इस बात की संभावना बता रहे हैं कि इस आपदा में डेढ़ सौ से 200 लोगों की जान चली गई होगी। वहीं 30 से 40 होटल व होमस्टे के अलावा दर्जनों घरों के नामोनिशान मिटने की बात लोग कह रहे हैं।

इसरो से ली गई सैटेलाइट तस्वीरों में धराली में 20 हेक्टेयर भू-भाग मलवा और पत्थरों से पट चुका है जहां आबादी थी। इस आपदा में कितने जान माल का नुकसान हुआ है इसका आकलन अभी भी संभव नहीं है। सड़क मार्ग को खोलने का काम अभी गंगानी में भागीरथी पर बने पुल की जगह बीआरओ द्वारा वैली ब्रिज निर्माण कार्य शुरू किए जाने तक ही पहुंच सका है। जबकि अभी आगे भी कई स्थानों पर सड़क पास आउट होने की खबरें हैं। गंगोत्री मार्ग को सुचारू बनाने में अभी कई दिन का समय लग सकता है।

गनीमत यह है कि युद्ध स्तर पर जारी इस आपदा प्रबंधन के कार्य में मौसम साफ होने के कारण पीड़ितों तक रसद तथा मेडिकल की आपूर्ति हो पा रही है लेकिन अभी तक न तो संचार सेवाएं और न बिजली आपूर्ति सुचारू हो सकी है न आवागमन का कोई सुविधा।

दून वैली मेल

संपादकीय

लोकतंत्र का चीरहरण

'उल्टा चोर कोतवाल को डांटे, आपने यह कहावत जरूर सुनी होगी यह कहावत देश के निर्वाचन आयोग पर पूरी तरह से चरितार्थ हो रही है। राहुल गांधी द्वारा निर्वाचन आयोग पर भाजपा के लिए वोट चोरी करने का जो आरोप लगाया गया था और प्रेस वार्ता करके एटम बम फोड़ने की जो बात कही गई थी उसका सबूत के साथ खुलासा कर दिया गया है। लेकिन चुनाव आयोग अब इसकी जांच कराने की बजाय उल्टा राहुल गांधी से ही शपथ पत्र के साथ सबूत देने को कहा जा रहा है। यह अत्यंत ही हास्यास्पद है राहुल गांधी आज पूरे सबूत के साथ पत्रकारों के सामने आए और उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने डिजिटल इंडिया के इस दौर में उन्हें मतदाताओं की वोटर लिस्ट 2-3 सौ किलो के दस्तावेजों के रूप में दी गई है। जिसके कारण मतदाता का वेरिफिकेशन करने के लिए पूरे दस्तावेजों की छानबीन करना जरूरी था। यह शायद यह सोच कर किया गया होगा कि यह काम मैन्युअली सालों में करना भी संभव नहीं है। लेकिन उन्होंने कर्नाटक की सिर्फ एक विधानसभा सीट बेंगलुरु सेंट्रल की महादेवपुरा विधानसभा सीट के दस्तावेज छांट कर उसकी जांच की गई जिसमें 50-60 लोगों की टीम को 6 माह का समय लगा। उन्होंने पत्रकारों के सामने सबूत के साथ यह दिखाया कि किस तरह एकमात्र सीट पर 1 लाख फर्जी वोटरों के नाम इस सूची में पाए गए हैं। उन्होंने इन फर्जी वोटरो को भी पांच कैटेगरी में बाटा है। जिसके जरिए उन्होंने सबूत के साथ दिखाया कि एक ही मतदाता के चार अलग-अलग मतदान केंद्रो की सूची में नाम दर्ज किए गए हैं और उन्होंने चार-चार जगह है मतदान किया। कैसे एक ही घर के पते पर 80-80 वोटर बना दिए गए। उनका कहना है कि वन बैडरूम का घर और 80 वोटरों का पता। जब इस घर पर जाकर पता किया गया तो वहां इन 80 में से एक भी वोटर नहीं रहता है न घर का स्वामी इनमें से किसी को भी पहचानता है। इससे भी बड़ा खुलासा करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे वोटर हजारों की संख्या में है जो कर्नाटक, महाराष्ट्र, यूपी सहित कई राज्यों की वोटर लिस्ट में शामिल है। राहुल गांधी ने नए वोटरों के लिए भरे जाने वाले फॉर्म 6 में भी सबसे अधिक बड़ी धांधली का आरोप लगाया उन्होंने दस्तावेज व सबूत के साथ अकेली इस सीट पर 33 हजार से अधिक नए मतदाताओं की सूची में जो नाम दर्ज हुए हैं उनकी उम्र 50 से 80 वर्ष के बीच लिखी गई है जबकि इन नए वोटरों में से किसी एक की भी उम्र 18 से 23 वर्ष के बीच नहीं है राहुल गांधी ने सवाल उठाया कि सिर्फ 25 सीट अधिक जीतने के कारण आज नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठे हुए हैं लेकिन वह देश के नागरिकों के वोट से चुनकर पीएम नहीं बने हैं, चुनाव आयोग द्वारा की गई वोट की चोरी से पीएम है। उन्होंने कहा कि हरियाणा मध्य प्रदेश व महाराष्ट्र के अप्रत्याशित नतीजों से यह बात पक्की हो गई थी कि दाल में कुछ तो काला है लेकिन उन्हें यह नहीं पता था कि यंहा तो सारी की सारी दाल ही काली है। उन्होंने देश के लोगों से अपील की है कि आप अपने जिस वोट को लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत माने बैठे हैं वह ताकत अब आपसे छीन ली गई है और अब आपके वोट के महत्व को बड़ी ही होशियारी से समाप्त कर दिया गया है। उन्होंने निर्वाचन आयोग के इस कृत्य को संज्ञेय अपराध बताते हुए कहा कि यह लोकतंत्र का चीर हरण है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग इस चोरी के सभी सबूत मिटाने का प्रयास कर रहा है लेकिन अब वह ऐसा नहीं होने देंगे। उन्होंने इन दस्तावेजों को एक जीवंत सबूत बताया है क्योंकि यह खुद चुनाव आयोग ने ही मुहैया कराए हैं।

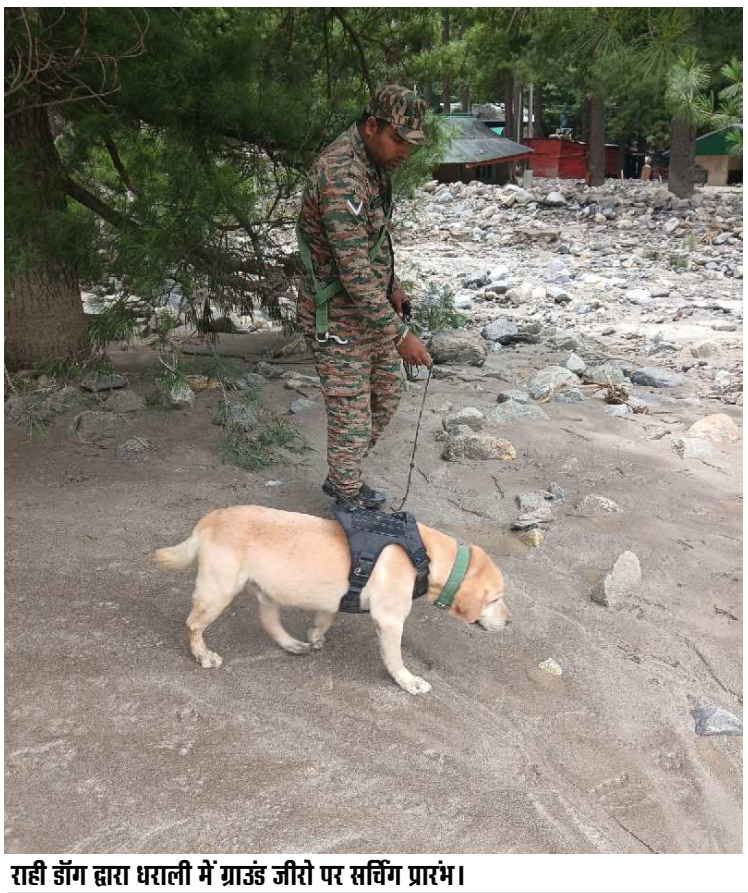

राही डॉग द्वारा धराली में ग्राउंड जीरो पर सर्चिंग प्रारंभ।

मानवाधिकार एवं सामाजिक संगठन के अध्यक्ष को छात्राओं ने बांधा रक्षा सूत्र

संवाददाता

देहरादून। मानवाधिकारी एवं सामाजिक न्याय संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सचिन जैन को छात्राओं ने रक्षासूत्र बांधा।

आज यहां मानवाधिकार एवं सामाजिक न्याय संगठन द्वारा वार्ड 35 चोरखाला में स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय में स्कूली छात्राओं द्वारा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सचिन जैन को रक्षा सूत्र (रक्षाबंधन) बांधा गया। कार्यक्रम में उपहार स्वरूप बालिकाओं को लेखन सामग्री, स्कूल शिक्षिकाओं को साड़ियां एवं भोजन माताओ को भी साड़ियां दी गई। विशेष यह रहा कि सभी बालिकाएं घर से ही राखी बनाकर लाई और वह राखियां बालिकाओं द्वारा सचिन जैन जी को बांधी गई।

इस अवसर पर सचिन जैन ने कहा कि रक्षा सूत्र (राखी) बांधते समय 'येन बद्धो बलि राजा, दानवेन्द्रो महाबल: तेन त्वाम् प्रतिबद्धनामि रक्षे माचल माचल:' मंत्र का जाप किया जाता है। इस मंत्र का अर्थ है 'जिस रक्षा सूत्र से महान शक्तिशाली राजा बलि को बांधा गया था, उसी से मैं तुम्हें बांधता हूं, हे रक्षे! तुम चलायमान न हो, तुम अडिग रहो।' यह मंत्र राजा बलि से संबंधित है, जिन्हें दानवों का राजा माना जाता था।

कहा जाता है कि भगवान विष्णु ने वामन अवतार में राजा बलि को पाताल लोक में भेजते समय, उनकी रक्षा के लिए यह मंत्र पढ़ा था। इसलिए, इस मंत्र का जाप करके रक्षा सूत्र बांधने का अर्थ है, भगवान से अपनी और अपने प्रियजनों की रक्षा की प्रार्थना करना। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष मधु जैन ने कहा कि भाई-बहन के बीच कर्तव्य के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है।

यह अवसर उन सभी प्रकार के भाई-बहन के रिश्ते का जश्न मनाने के लिए है जो पुरुष और महिला के बीच जैविक रूप से संबंधित नहीं हो सकते हैं। इस दिन, बहनें अपने भाई की कलाई पर राखी बाँधकर उसकी समृद्धि, स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना करती हैं। इस अवसर पर विजय कथूरिया स्कूल शिक्षिकाएं भोजन माताएं स्कूली बच्चे और संगठन के सभी पदाधिकारी मौजूद रहे।

समिति ने आपदा के मृतकों के प्रति संवेदना प्रकट की

संवाददाता

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति के कार्यालय में उत्तरकाशी और पौड़ी में आई आपदा में मारे गए मृतकों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की गई। इस मौके पर प्रभात डंडरियल और आरिफ वारसी ने मृतकों को भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए इस आपदा में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की तथा इस आपदा में लापता हुए लोगों की सकुशल वापसी की कामना की। प्रदेश सरकार से मांग की मृतकों के परिवार वालों को आर्थिक सहायता दें और जिन लोगों का कारोबार और घर इस आपदा में नष्ट हो गए हैं उन्हें रोजगार हेतु धनराशि और घर उपलब्ध कराए जाएं। किसी भी प्रकार की इसमें राजनीति नहीं होनी चाहिए सभी उन लोगों के हित में कार्य करें। मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में आरिफ वारसी, प्रभात डंडरियाल, प्रदीप कुकरेती, अतुल शर्मा, दानिश नूर, रणजीत जोशी, पारस यादव, इलियास कुरेशी, जय बिष्ट, आदि उपस्थित रहे।

फरार लुटेरा गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। लूट मामले में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर`जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार वर्ष 27 अगस्त को पीड़ित अमित गौड द्वारा कोतवाली रुडकी पर तहरीर देकर बताया गया था कि अज्ञात बदमाशों द्वारा उनकी चाबी व मोबाइल छीन लिया गया है। मामले में पुलिस ने लूट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपियो की तलाश शुरू कर द गयी। जांच के दौरान सामने आये बदमाशों में रिहान पुत्र नफीस निवासी कस्बा भगवानपुर मौहल्ला छिपियान थाना भगवानपुर भी शामिल था जो लम्बे समय से फरार चल रहा था। जिसे पुलिस ने बीती रात उसके घर से गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

सीटू से संबद्ध आंगनवाड़ी कार्यकत्री सेविका कर्मचारी यूनियन की बैठक सम्पन्न

संवाददाता

देहरादून। सीटू से संबद्ध आंगनवाड़ी कार्यकत्री सेविका कर्मचारी यूनियन की बैठक यूनियन कोषाध्यक्ष लक्ष्मी पंत की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

आज यहां सीटू से संबद्ध आंगनवाड़ी कार्यकत्री सेविका कर्मचारी यूनियन की बैठक यूनियन कोषाध्यक्ष लक्ष्मी पंत की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर आंगनवाड़ी की समस्याओं पर विचार कर आंदोलन करने का फैसला लिया गया। इस अवसर सीटू के जिला महामंत्री लेखराज , यूनियन प्रांतीय महामंत्री चित्रा , महामंत्री सुनीता रावत , रजनी ,मनीषा राणा आदि उपस्थित थी। इस अवसर पर लक्ष्मी पंत ने गुजरात में हुई आईफा की बैठक की रिपोर्टिंग की जिसमें आंगनवाड़ी का रुका हुआ टीएचआर देने, श्रम संहिताएं रद्द करने सहित ग्रेजवेटी पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले कों लागू करवाने, सामाजिक सुरक्षा देने, मानदेय बढ़ाने, 3 मार्च 2024 को मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के द्वारा किए गए वायदे को पूरा करने आदि मांगों पर आंदोलन किया जाएगा। यूनियन को मजबूत करने हेतु सदस्यता अभियान किया जाएगा।

लहंगे के साथ पहनी जा सकती हैं ये 5 तरह की फुटवियर्स, लगेंगी बेहतरीन

लहंगे के साथ सही फुटवियर्स का चुनाव करना बहुत जरूरी है। यह आपके पूरे लुक को बदल सकता है और आपको खास महसूस करा सकता है। पारंपरिक लहंगे के साथ सही फुटवियर्स चुनने से न केवल आपका स्टाइल बेहतर होता है, बल्कि आप आरामदायक भी महसूस करती हैं। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे फुटवियर्स के बारे में बताएंगे, जो पारंपरिक लहंगे के साथ अच्छे लगते हैं और आपको स्टाइलिश और आरामदायक महसूस कराते हैं।

पारंपरिक जूतियां

पारंपरिक जूतियां भारतीय संस्कृति का अहम हिस्सा हैं। ये न केवल देखने में सुंदर लगती हैं, बल्कि इन्हें पहनकर चलना भी आरामदायक होता है। लहंगे के साथ पारंपरिक जूतियां पहनने से आपका लुक और भी खास लगता है। जूतियों पर की गई कढ़ाई और रंगों का मेल आपके पूरे परिधान को आकर्षक बनाता है। इन जूतियों को पहनकर आप न केवल स्टाइलिश दिखती हैं, बल्कि इन्हें पहनकर चलना भी आसान होता है।

हील्स

अगर आप अपने लहंगे के साथ हील्स पहनती हैं तो यह आपके पूरे लुक को एक नया रूप देती हैं। हील्स पहनने से आपकी ऊंचाई बढ़ती है और आप अधिक आकर्षक दिखती हैं, खासकर जब आप भारी लहंगे पहनती हैं तो हील्स आपके व्यक्तित्व को निखारती हैं। हालांकि, इन्हें चुनते समय आराम पर ध्यान दें ताकि पूरे दिन इन्हें पहनने में कोई दिक्कत न हो।

स्टाइलिश वेजेस

स्टाइलिश वेजेस आपके लहंगे के साथ एक बेहतरीन मेल बना सकती हैं। ये न केवल देखने में अच्छी लगती हैं, बल्कि इन्हें पहनकर चलना भी आसान होता है। वेजेस की ऊंचाई आपके पैर को आराम देती है और आप पूरे दिन इन्हें पहनकर सहज महसूस करती हैं। खासकर शादी-ब्याह जैसे अवसरों पर जब आपको लंबे समय तक खड़ा रहना पड़ता है, तब वेजेस बहुत मददगार होती हैं।

ब्लॉक सैंडल

ब्लॉक सैंडल आजकल बहुत चलन में हैं और ये आपके पारंपरिक लहंगे के साथ बहुत अच्छे लगते हैं। इनकी सैंडल इन्हें अधिक आरामदायक बनाती है, जिससे आप पूरे दिन इन्हें पहन सकती हैं। चौड़ी तली की सैंडल का डिजाइन भी बहुत आकर्षक होता है, जो आपके पूरे लुक को खास बनाता है। इन सैंडल्स को पहनकर आप न केवल स्टाइलिश दिखती हैं, बल्कि इन्हें पहनकर चलना भी आसान होता है।

स्नीकर्स

अगर आप अपने पारंपरिक लुक में थोड़ा आधुनिक स्पर्श जोड़ना चाहती हैं, तो एक रंग के स्नीकर्स एक बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं। सफेद या काले रंग के स्नीकर्स किसी भी रंग के लहंगे के साथ अच्छे लगते हैं और इन्हें पहनकर चलना बहुत आसान होता है। ये स्नीकर्स न केवल आरामदायक होते हैं बल्कि आपके लुक को एक नया रूप भी देते हैं। इनसे आप स्टाइलिश और आरामदायक महसूस करेंगी। (आरएनएस)

दोमुहे बालों से निपटने के लिए जरूर आजमाएं ये घरेलू उपचार

स्पिलट एंड्स यानी दोमुंहे बाल एक बेहद आम समस्या हैं, लेकिन इनकी वजह से बालों की खूबसूरती कम हो जाती है। यह तब होते हैं जब आपके बालों में पर्याप्त नमी या पोषण की कमी होती है। दरअसल, हेयर कर्लर, स्ट्रेटनर, प्रदूषण और धूल के कारण बालों की नमी खत्म हो जाती है जिससे वह रूखे और दोमुंहे हो जाते हैं। आज हम आपको ऐसे चार घरेलू उपचार बताएंगे जिनसे आप अपने बालों की खूबसूरती को वापस ला सकती हैं।

नारियल तेल से बालों की मालिश : आप अपने बालों में नारियल के तेल से मालिश कर सकती हैं। यह बहुत ही पुराना और लाभदायक उपाय है। इससे न केवल दोमुंहे बाल कम होंगे, बल्कि यह आपके बालों को मॉइश्चराइज और पोषण भी देगा। इससे आपके बाल तेजी से घने और लंबे होंगे। लाभ के लिए अपने बालों में हल्के गर्म नारियल तेल से मालिश करें और इन्हें करीब 30 मिनट के लिए शॉवर कैप से ढक लें। इसके बाद बालों को नॉर्मल पानी से धो लें।

पपीता हेयर पैक : पपीता के हेयर पैक में विटामिन ए और अन्य आवश्यक पोषक तत्व मौजूद होते हैं। यह खराब, रूखे और बेजान बालों की मरम्मत करके दोमुंहे बालों को रोकता है और बालों के विकास को बढ़ावा देता है। यह आपके बालों को फिर से जीवंत और चमकदार भी बनाता है। इसे तैयार करने के लिए मैश किया हुए पपीते और दही को एक साथ मिलाकर अपने बालों में 15 मिनट तक लगाकर छोड़ दें, फिर बालों को पानी से धो लें।

शहद का हेयर मास्क : शहद बहुत महत्वपूर्ण और पोषक तत्वों से भरपूर है। इसके इस्तेमाल से आपके बालों को नमी मिलेगी और यह सिर की त्वचा को रूखा होने से भी रोकेगा। यह आपके बालों को मजबूत बनाकर सुस्त बालों में चमक लाता है। शहद के जीवाणुरोधी गुण भी आपके स्कैल्प को साफ और ताजा रखते हैं।

एलोवेरा हेयर पैक : एलोवेरा रूखे बालों के लिए बहुत अच्छा माना जाता है क्योंकि इसमें मॉइश्चराइजिंग गुण होते हैं। यह स्कैल्प के संक्रमण से भी राहत दिलाता है। यह आपके दोमुंहे बालों को ठीक करके खराब बालों की मरम्मत करता है। एलोवेरा में मौजूद प्रोटियोलिटिक एंजाइम सिर की मृत कोशिकाओं को खत्म करता है और बालों के विकास को भी बढ़ावा देता है। एलोवेरा की पत्तियों से जेल निकालकर बालों में 30 से 40 मिनट तक लगाएं और फिर पानी से धो लें।

सेहत बनाने का सबसे सस्ता तरीका हैं रस्सी कूदना, जानें इससे मिलने वाले फायदे

आज की बदलती जीवन-शैली और व्यस्त जिंदगी में खुद के लिए समय निकाल पाना बहुत मुश्किल होता है। लेकिन सेहत बनाए रखने के लिए समय निकालते हुए दिनचर्या में व्यायाम को जरूर शामिल करना चाहिए। ऐसे में आप रस्सी कूदना अर्थात स्किपिंग को ट्राई कर सकते हैं जो कि सेहत बनाने का सबसे सस्ता तरीका हैं। फिटनेस लेवल को बढ़ाने के साथ ही कुछ लोग इसे वजन घटाने के लिए चुनते हैं। आपको अपने फिटनेस रूटीन में स्किपिंग को जरूर शामिल करना चाहिए। यह सिंपल, आसान और बहुत मज़ेदार वर्कआउट है साथ ही यह आपको बहुत सारी कैलोरी बर्न करने में मदद करता है। आज इस कड़ी में हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह रस्सी कूदने से शरीर की सेहत बनाई जा सकती हैं।

थकान से छुटकारा मिलता है

लगातार काम करने से आप थका हुआ महसूस कर सकते हैं। स्किपिंग आपको अपनी सहनशक्ति में सुधार करने में मदद कर सकता है। जितना अधिक आप नियमित रूप से स्किपिंग करते हैं, उतना ही आपकी सहनशक्ति बढ़ती है। लगातार स्किपिंग रेंज का अभ्यास थकान से छुटकारा पाने में मदद कर सकता है।

हृदय स्वास्थ्य में सुधार

रस्सी कूदने से हृदय को स्वस्थ रखा जा सकता है। दरअसल, रस्सी कूदने से हृदय की क्षमता को बढ़ाया जा सकता है। रस्सी कूदने से कार्डियो सर्कुलेशन यानी ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है, जो ब्लड को पंप करने के लिए जरूरी होता है। हृदय के स्वस्थ रहने से हार्ट स्ट्रोक और हृदय से जुड़े अन्य जोखिम से बचा जा सकता है। यही वजह है कि रस्सी कूदना को कार्डियो एक्सरसाइज की लिस्ट में जगह दी गई है।

पेट की चर्बी होती है कम

इसे करने से आपके पेट की चर्बी तेजी से कम होती है। जी हां, वजन कम करते समय यह मुख्य बाधाओं में से एक है। लेकिन रस्सी कूदना इसमें आपकी मदद कर सकता है। हाई-इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग एक्सरसाइज बिना डाइट के पेट की चर्बी कम करने और आपके पेट की मसल्स को मजबूत करने में मदद करती है।

कैलोरी बर्न करने में मददगार

अगर कोई मोटापा कम करना चाहता है, तो उनके लिए रस्सी कूदना लाभकारी हो सकता है। रोप स्किपिंग से शरीर में मौजूद अतिरिक्त कैलोरी को बर्न करने में मदद मिल सकती है। इसलिए, ऐसा कहा जा सकता है कि रस्सी कूदने के फायदे कैलोरी बर्न करने के लिए हो सकते हैं।

बढ़ता है शरीर का लचीलापन

रस्सी कूदने से आपका शरीर शांत और लचीला बनता है। कूदने से मांसपेशियों को बहुत ताकत मिलती है और उन्हें आराम मिलता है। इसलिए इसे एक एथलीट के वर्कआउट रिजीम में शामिल किया जाता है।

हड्डियों को मजबूत करता है

एक आयु के बाद बोन मास कम हो जाता है, और मेनोपॉज के बाद महिलाओं में बोन लॉस अधिक तेजी से होता है। इसलिए रस्सी कूदना फायदेमंद हो सकता है। इससे हड्डियों की ताकत बढ़ती है। रस्सी कूदने से हड्डियों के जोड़ एक्शन में होते हैं जिससे इनमें पर्याप्त लुब्रिकेशन होता है। इससे ये काम करते रहते हैं और एक जगह जमते नहीं।

एकाग्रता को बढ़ाता है

हर कार्डियो एक्सरसाइज आपको अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करेगी और स्किपिंग उनमें से एक है। रस्सी कूदना आपके शरीर को शांत कर सकता है और आपकी एकाग्रता को बढ़ा सकता है। इसके अलावा, स्किपिंग लगातार आपके समन्वय और सहनशक्ति में सुधार करता है।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद

रस्सी कूदना दिमाग में रक्त संचार को बढ़ाता है जिससे चिंता और तनाव जैसी मानसिक समस्याओं में मदद कर मिल सकती है। यह कॉगनिटिव फंक्शन्स को भी बेहतर करने में मदद करता है।

गर्भवती महिलाओं के लिए कार्डियो एक्सरसाइज सेफ है या नहीं, जानें

प्रेग्नेंसी के दौरान अगर किसी तरह की कॉम्प्लिकेशन नहीं है तो ज्यादातर महिलाओं को ऐक्टिव रहने की सलाह दी जाती है ताकि डिलिवरी नॉर्मल हो सके और किसी तरह की कोई दिक्कत ना हो। प्रेग्नेंसी के दौरान गर्भवती महिलाओं को कुछ सावधानियां बरतते हुए एक्सर्साइज करने की भी सलाह दी जाती है ताकि मां के साथ-साथ होने वाला बच्चा भी हेल्दी रह सके। लेकिन एक सवाल जो ज्यादातर होने वाली मांओं के मन में आता है, खासकर तब जब वे फिटनेस फ्रीक हों, कि क्या गर्भावस्था के दौरान कार्डियो एक्सर्साइज करना चाहिए?

फिटनेस प्रफेशनल्स और एक्सपर्ट्स की मानें तो प्रेग्नेंसी के दौरान कार्डियो एक्सर्साइज करना पूरी तरह से सेफ है। ऐसा कार्डियो एक्सर्साइज जिसमें आपकी हार्टबीट सुरक्षित तरीके से बढ़ती है वह आपकी सेहत को बेहतर बनाने के साथ-साथ अच्छी नींद को बढ़ावा देता है, गर्भावस्था के दौरान होने वाले डायबीटीज की समस्या को कम करता है, कब्ज की दिक्कत को कम करता है और साथ ही कमर, पीठ और पैर में होने वाले दर्द को भी दूर करने में मदद करता है।

अपने शरीर की सुनें और नियमित रूप से ब्रेक लेती रहें

हालांकि एक्सपर्ट्स की मानें तो प्रेग्नेंट महिला को हमेशा इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि एक्सर्साइज से पहले, एक्सर्साइज के दौरान और एक्सर्साइज के बाद शरीर में कैसी फीलिंग आ रही है। खुद को हाइड्रेट रहें और नियमित रूप से ब्रेक लेते हुए एक्सर्साइज करें। अगर किसी भी तरह की दिक्कत महसूस हो तो एक्सर्साइज करना तुरंत बंद कर दें और डॉक्टर या एक्सपर्ट से सलाह लें।

डॉक्टर की सलाह के बिना कोई एक्सर्साइज न करें

वैसे तो ज्यादातर प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए गर्भावस्था के दौरान कार्डियो एक्सर्साइज करना सेफ माना जाता है लेकिन यह बेहद जरूरी है कि आप इसे ट्राई करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह जरूर लें कि यह आपके लिए ठीक है या नहीं।

अगर आप जिम में जाकर कार्डियो एक्सर्साइज करती हैं तो किसी एक्सपर्ट या प्रफेशनल से सुझाव लें कि आपको किन बातों का ध्यान रखना है, खासकर प्रेग्नेंसी के 16वें हफ्ते के बाद।

केले के चिप्स बनाम आलू के चिप्स- इनमें से किसे चुनना है बेहतर ?

बाजार में कई तरह के चिप्स उपलब्ध हैं, जिनमें केला और आलू के चिप्स सबसे ज्यादा पसंद किए जाते हैं। इन दोनों में से किसे चुनना बेहतर है, यह सवाल आपके मन में जरूर आता होगा। केले के चिप्स को अक्सर सेहत के लिए अच्छा माना जाता है, जबकि आलू के चिप्स का स्वाद बेहतरीन होता है। आइए जानते हैं कि इनमें से किसे चुनना सेहत के लिए बेहतर है और क्यों।

केले के चिप्स के फायदे : केले के चिप्स के कई सेहत लाभ हैं। यह पोटेशियम, मैग्नीशियम और फाइबर से भरपूर होते हैं, जो दिल की सेहत को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा इसमें विटामिन-बी6 और विटामिन-सी भी होता है, जो शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है। इसके अलावा केले के चिप्स में ऐसे तत्व होते हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों से बचाने में मदद करते हैं।

आलू के चिप्स के नुकसान : आलू के चिप्स का सेवन कई सेहत समस्याओं का कारण बन सकता है। इनमें ज्यादा नमक और चर्बी होती है, जो ब्लड प्रेशर को बढ़ा सकते हैं। इसके अलावा इनमें कैलोरी की अधिकता होती है, जिससे वजन बढ़ने का खतरा रहता है। साथ ही तले हुए आलू के चिप्स में ऐसे तत्व मिलाए जाते हैं, जो शरीर में सूजन और दिल की बीमारी का कारण बन सकते हैं।

केले के चिप्स और आलू के चिप्स में से किसे चुनना चाहिए? : अगर आप सेहतमंद स्नैक की तलाश में हैं तो केले के चिप्स एक अच्छा विकल्प हो सकता है। यह न केवल स्वादिष्ट होते हैं बल्कि सेहत के लिए फायदेमंद भी होते हैं, वहीं अगर आप स्वाद के शौकीन हैं तो आलू के चिप्स आपके लिए बेहतर रहेंगे। हालांकि, अगर आप किसी भी तरह के चिप्स का सेवन सीमित मात्रा में करते हैं तो दोनों ही विकल्प अच्छा हैं।

केले के चिप्स खरीदते समय इन बातों का रखें ध्यान : बाजार से केले के चिप्स खरीदते समय कुछ बातों का खास ध्यान रखें। हमेशा अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पाद ही खरीदें, जो बिना किसी कृत्रिम रंग या स्वाद के बने हों। इसके अलावा पैकेजिंग पर पोषण तत्वों की जानकारी पढ़ें ताकि आपको पता चले कि उसमें कितनी कैलोरी, चर्बी और अन्य पोषक तत्व होते हैं। साथ ही नमक की मात्रा भी चेक करें और कोशिश करें कि कम नमक वाले केले के चिप्स ही खरीदें।

घर पर केले के चिप्स बनाने का तरीका : घर पर केले के चिप्स बनाने के लिए सबसे पहले कच्चे केले को छिलकर पतले-पतले टुकड़ों में काट लें, फिर इन्हें हल्के गर्म तेल में सुनहरा होने तक तलें। जब ये पूरी तरह से ठंडे हो जाएं तो इन पर स्वादानुसार नमक छिड़कें। आप चाहें तो इसमें चुटकीभर काली मिर्च या चाट मसाला भी मिला सकते हैं। इस तरह आप आसानी से घर पर सेहतमंद केले के चिप्स तैयार कर सकते हैं और इन्हें सीमित मात्रा में खाएं।

आयुर्वेदिक नुस्खे में पीठ, कमर दर्द का स्थाई उपचार

पीठ और कमर दर्द का ऐलोपथी के जरिये इलाज मौजूद है, लेकिन आयुर्वेदिक चिकित्सा में इन दोनों तरह के दर्द का स्थायी उपचार उपलब्ध है। कमर दर्द होने पर दशमूल काढ़ा सुबह व शाम पीना चाहिए। चूंकि कमर दर्द का मूल कारण कब्ज माना गया है, इसलिए कब्ज होने पर अरंडी के तेल का थोड़ी मात्रा में सेवन करना चाहिए। रात में गेहूं के दाने को पानी में भिगोकर सुबह इन्हें खसखस और धनिये के दाने के साथ दूध में मिला लें।

सप्ताह में दो बार इसका इस्तेमाल करने से न सिर्फ कमर दर्द ठीक हो जाता है बल्कि शरीर में ताकत भी बढ़ती है। पीठ दर्द खत्म करने के लिए हल्के हाथों से मालिश करवानी चाहिए। इससे कशेरुकाएं यानी रीढ़ का जोड़ सही जगह बैठ जाता है और दर्द से छुटकारा मिलता है। पीठ दर्द से बचने के लिए जरूरी है कि कभी भी झुक कर भार न उठाएं। जब भी कुर्सी पर या चौकड़ी मारकर बैठे तो आगे की तरफ झुककर न बैठें। घंटों तक बैठना हो तो बीच-बीच में हिलते-डुलते रहें। आमतौर पर पीठ दर्द आयु से संबंधी रोग है। उम्र अधिक होने पर अन्य अस्थियों के साथ कशेरूक यानी रीढ़ का जोड़ भी दुर्बल हो जाता है और उनमें कैल्शियम की कमी हो जाती है। 25 प्रतिशत कीबोर्ड ऑपरेटरों को कंप्यूटर पर काम करने से सर्वाइको ब्रैकियल सिंड्रोम हो जाता है। इसमें व्यक्ति की बांह, कंधा, पीठ और गर्दन की पेशियां हमेशा तनाव में रहती हैं। इस दिक्कत से बचने के लिए जरूरी है कि शरीर को नियमित व्यायाम से चुस्त-दुरुस्त रखें। वैसे देखा जाए तो पीठ दर्द के कई कारण है, जैसे सर्जिकल डिलिवरी, गलत तरीके से सोना या उठना-बैठना।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

प्लाजो जंपसूट को स्टाइल करते समय इन बातों का रखें ध्यान, लगेगा स्टाइलिश

प्लाजो जंपसूट एक ऐसा परिधान है, जो न केवल आरामदायक है, बल्कि आपको स्टाइलिश भी दिखाता है। इसे पहनकर आप किसी भी अवसर पर आकर्षक लग सकती हैं, चाहे वह पार्टी हो या ऑफिस का काम। सही एक्सेसरीज और कपड़ों का मेल करके आप अपने लुक को खास बना सकती हैं। आइए जानते हैं कि प्लाजो जंपसूट को कैसे स्टाइल किया जा सकता है ताकि आप हर मौके पर बेहतरीन दिखें।

सही रंगों का चयन करें

प्लाजो जंपसूट चुनते समय सही रंग का चयन बहुत जरूरी है। अगर आप ऑफिस जा रही हैं तो हल्के और शांत रंग जैसे बेज, ग्रे या काला चुनें। ये रंग पेशेवर दिखते हैं और हर मौके पर जचते हैं। वहीं पार्टी या खास अवसरों के लिए आप चमकीले रंग जैसे लाल, नीला या हरा चुन सकती हैं। इन रंगों से आपका लुक न केवल आकर्षक लगेगा, बल्कि आप सबसे अलग भी दिखेंगी।

फिटिंग का ध्यान रखें

प्लाजो जंपसूट की फिटिंग पर खास ध्यान दें। यह सुनिश्चित करें कि यह आपकी बॉडी पर अच्छे से फिट हो ताकि आप आरामदायक महसूस करें और साथ ही स्टाइलिश भी दिखें। अगर जंपसूट ढीला हो तो उसे थोड़ा सिलवा लें ताकि वह आपकी बॉडी के हिसाब से फिट हो सके। सही फिटिंग से आपका लुक न केवल पेशेवर लगेगा, बल्कि आपको आत्मविश्वास भी देगा और आप हर मौके पर बेहतरीन दिखेंगी।

एक्सेसरीज का सही चयन करें

एक्सेसरीज आपके पूरे लुक को खास बना सकते हैं। अगर आप ऑफिस जा रही हैं तो छोटे स्टड्स और साधारण घड़ी पहनें, वहीं पार्टी के लिए स्टेटमेंट ईयररिंग्स, चेन और हाथों में कड़ा पहन सकती हैं। इसके अलावा एक अच्छा बैग भी आपके लुक को पूरा करेगा। अगर आप किसी खास मौके पर जा रही हैं तो थोड़ा एक्सेसरीज का चयन करें जैसे कि चेन, अंगूठी और कान की बालियां, जो आपके लुक को और भी आकर्षक बनाएंगी।

फुटवियर्स का चयन करें

फुटवियर्स का चयन करते समय ध्यान रखें कि वे आरामदायक होने चाहिए ताकि आप पूरे दिन बिना किसी परेशानी के उन्हें पहन सकें। ऑफिस के लिए फ्लैट्स या ब्लॉक हील्स फुटवियर्स अच्छे विकल्प हैं, जबकि पार्टी के लिए हाई हील्स फुटवियर्स चुन सकती हैं, जो आपके लुक को और भी खास बनाएंगे। इसके अलावा अगर आप किसी खास मौके पर जा रही हैं तो फ्लैट्स या आरामदायक फुटवियर्स भी अच्छे विकल्प हो सकते हैं।

बालों के स्टाइल पर ध्यान दें

बालों का स्टाइल भी आपके पूरे लुक को प्रभावित करती है इसलिए इसे नजरअंदाज न करें। ऑफिस जाते समय बालों को खुला छोड़ सकती हैं या जुड़ा बना सकती हैं, जबकि पार्टी के लिए खुला बाल या हल्का सा घुंघराला अच्छा विकल्प हो सकता है। इसके अलावा अगर आप किसी खास मौके पर जा रही हैं तो बालों में हल्का सा कर्ल या सीधा करवा सकती हैं, जिससे आपका लुक और भी आकर्षक लगेगा।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गौरैया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संस्था 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे

1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

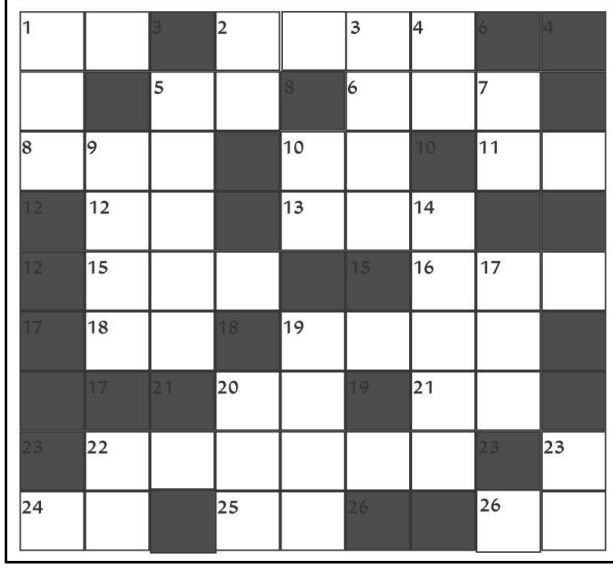

1		■	2		3	4	■	■
	■	5		■	6		7	■
8	9		■	10		■	11	
■	12		■	13		14	■	■
■	15			■	■	16	17	
■	18		■	19				■
■	■	21	20		■	21		■
■	22						■	23
24		■	25		■	■	26	

स्वा	द	■	सा	म	ना	■	कै	दी
व	■	ख	ल	ना	य	क	■	वा
लं	प	ट	■	ना	क	क	ट	ना
बी	■	प	■	■	■	ड़ी	■	प
■	अ	ट	प	टा	■	■	शा	न
स	ह	■	यो	■	■	र	ति	■
ह	म	■	द	र	ब	द	र	■
म	क	र	■	सी	ल	■	■	■
त	■	क्षा	■	द	वा	खा	ना	■

नए टॉक शो का ऐलान, काजोल और ट्विंकल खन्ना करेंगी मेजबानी

प्राइम वीडियो ने आज अपने अपकमिंग ओरिजिनल टॉक शो टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल के प्रोडक्शन की शुरुआत का ऐलान कर दिया है। इस शो की होस्ट और हेड काजोल और ट्विंकल खन्ना हैं, जो अपने दमदार और दिलचस्प अंदाज के लिए जानी जाती हैं। ये बोल्ड, बेबाक और मजेदार टॉक शो जल्द ही प्रीमियर होगा, जिसे बनिजेय एशिया प्रोड्यूस कर रहा है। बॉलीवुड के बड़े सितारों और इंडस्ट्री की नामचीन हस्तियों से सजी गेस्ट लिस्ट के साथ टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल एक ऐसा टॉक शो बनने जा रहा है, जो सबसे ग्लैमरस रेड कार्पेट को भी पीछे छोड़ देगा। यह शो बोल्ड, शानदार और बिना किसी झिझक के बिल्कुल अनफिल्टर्ड अंदाज में आपके सामने होगा, जिसमें दोनों होस्ट्स की जबरदस्त एनर्जी के साथ आपको सबसे दिलचस्प मुद्दों पर उनका बेबाक नजरिया देखने को मिलेगा।

प्राइम वीडियो इंडिया के डायरेक्टर और हेड ऑफ ओरिजिनल्स निखिल माधोक ने कहा, हम टू मच विद काजोल एंड ट्विंकल की घोषणा करते हुए बेहद उत्साहित हैं। यह एक ऐसा टॉक शो है, जो पहली बार दो सबसे तेज़ और दमदार आवाज़ों के साथ इस जॉनर को नए सिरे से पेश करेगा।

उन्होंने आगे कहा, गेस्ट लिस्ट में चार्मिंग सेलिब्रिटीज के साथ काजोल और ट्विंकल अपनी खास हाज़िरजवाबी, तड़कते-भड़कते अंदाज और बेहतरीन सोच के साथ ऐसी दिलचस्प बातचीत लेकर आएंगी, जो मजेदार, बेबाक और बिना किसी हिचक के होगी। बनिजेय एशिया के साथ मिलकर हम अपने दर्शकों के लिए कुछ ऐसा क्रिएट कर रहे हैं, जो बोल्ड, नया और यादगार साबित होगा।

बॉलीवुड टॉक शो वैसे भी एक दशक पुराना चलन है जो हमेशा लोगों का ध्यान खींचता है। चाहे वह निर्देशक करण जौहर का कॉफी विद करण हो या करीना कपूर खान का व्हाट डू वीमेन वांट, इन शोज को पसंद किया जाता है, देखा जाता है, आलोचना की जाती है, लेकिन फिर भी इन्हें सराहा जाता है। इसलिए यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या काजोल और ट्विंकल का शो ट्रेंड सेट करेगा या ट्रेंड को फॉलो करेगा।

इसके अलावा, यह शो उन दर्शकों के लिए एक मसालेदार मिश्रण हो सकता है जो एक प्रामाणिक शो देखना चाहते हैं, क्योंकि दोनों अभिनेत्रियां अपनी बात खुलकर कहने के लिए जानी जाती हैं। वे अपनी बात को बेबाकी से रखने और अपनी बात को बेबाकी से रखने के लिए जानी जाती हैं।

कांतारा चैप्टर 1 हुई कंप्लीट

कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री स्टार ऋषभ शेट्टी एक बार फिर अपनी रहस्यमयी थ्रिलर फिल्म कांतारा चैप्टर 1 से कमाल करने आ रहे हैं। कांतारा चैप्टर 2 दर्शक 2022 में देख चुके हैं और अब दर्शक कांतारा चैप्टर 1 देखने के लिए बेताब हैं। कांतारा चैप्टर 1 मौजूदा साल में दशहरा के मौके पर रिलीज होने जा रही है। फिल्म का दूसरा पार्ट पहले पार्ट को देखने की बेताबी को बढ़ा चुका है और अब फिल्म के पहले पार्ट की रिलीज डेट जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, दर्शकों की एक्साइटमेंट भी बढ़ती जा रही है। कंतारा के मेकर्स ने अपने दर्शकों के लिए अब नया सरप्राइज गिफ्ट शेयर किया है।

होम्बले फिल्म्स ने अपने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट शेयर कर इसकी जानकारी दी थी। पोस्ट में लिखा गया था, कांतारा चैप्टर 1 के सफर के पीछे की कहानी का हिस्सा बनिए, कांतारा चैप्टर 1 की दुनिया से एक झलक देखने को मिलेगी। वादे के अनुसार मेकर्स ने फिल्म से दर्शकों के लिए खास सरप्राइज शेयर किया है।

ऋषभ शेट्टी ने वीडियो में बताया, मेरा एक सपना, अपने गांव की कहानी पूरी दुनिया को बतानी, मेरा गांव, मेरे लोग और हमारा विश्वास, जब मैंने अपना सपना हकीकत में बदलना चाहा तो, हजारों लोग मेरे साथ खड़े हो गए, तीन साल की कड़ी मेहनत और 250 दिनों तक चली शूटिंग, चाहे जितनी कठिनाइयां हों, लेकिन मेरे पैर ने मेरा साथ नहीं छोड़ा, पूरी फैमिली यानी मेरे क्रू, मेरे निर्माता मेरे साथ खड़े रहे, हर दिन जब मैं सेट पर हजारों लोगों को देखता था,। तब मुझे एक बात महसूस हुई कि यह एक सिर्फ सिनेमा नहीं, एक शक्ति है।

वीडियो में ऋषभ शेट्टी फिल्म की शूटिंग खत्म होने पर क्रू के सभी मेंबर को धन्यवाद भी बोलते दिख रहे हैं। वीडियो के आखिर में कहा जाता है, कांतारा की दुनिया में आप सभी को स्वागत है।

कांतारा 20 सितंबर 2022 को रिलीज हुई थी। महज 16 करोड़ रुपये के बजट में बनी फिल्म ने 400 करोड़ रुपये का बिजनेस कर फिल्म इंडस्ट्री को चौंका दिया था। ऋषभ शेट्टी को इस फिल्म से पहले हिंदी पट्टी और कई फिल्म इंडस्ट्री में कोई नहीं जानता था, लेकिन इस फिल्म से वह रातों-रात स्टार बने और फिल्म से नेशनल फिल्म अवार्ड भी जीता।

70वें फिल्म पुरस्कार समारोह में ऋषभ शेट्टी को बेस्ट एक्टर के लिए नेशनल अवार्ड से नवाजा गया था। रजनीकांत समेत बड़े-बड़े स्टार ऋषभ शेट्टी की इस फिल्म को देख शॉक्ड हो गये थे और उन्हें मिलने के लिए अपने घर भी बुलाया था। इसी वजह से लोगों में कांतारा चैप्टर 1 को देखने के लिए बेताबी है, जो 2 अक्टूबर 2025 वर्ल्डवाइड रिलीज होगी।

लाइमलाइट में छाई रहती हैं मुग्धा गोडसे

बॉलीवुड की चमकती दुनिया में अपनी अदाकारी और बेबाक अंदाज से पहचान बनाने वाली अभिनेत्री मुग्धा गोडसे हमेशा सुर्खियों में रहती हैं। फैशन' और हीरोइन' जैसी फिल्मों में अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली मुग्धा, मिस इंडिया सेमीफाइनलिस्ट रहने के साथ-साथ अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। 14 साल बड़े अभिनेता राहुल देव के साथ लिव-इन रिलेशनशिप हो या उनका बेबाक अंदाज, वह लाइमलाइट में छाई रहती हैं।

अपने अभिनय, मॉडलिंग करियर और निजी जिंदगी को लेकर हमेशा चर्चा में रहने वाली मुग्धा ने अपनी मेहनत और प्रतिभा से इंडस्ट्री में एक अलग मुकाम हासिल किया है। मिस इंडिया सेमीफाइनलिस्ट रह चुकीं मुग्धा की जिंदगी और करियर की कहानी किसी प्रेरणा से कम नहीं है।

26 जुलाई 1986 को पुणे में जन्मीं मुग्धा गोडसे ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग की दुनिया से की थी। साल 2002 में उन्होंने मिस ग्लैडरैग्स मेगा मॉडल का खिताब अपने नाम किया, जिसने उनके लिए ग्लैमर की दुनिया के दरवाजे खोल दिए। इसके बाद साल 2004 में वह मिस इंडिया प्रतियोगिता में सेमीफाइनलिस्ट रहीं। मॉडलिंग में सफलता के बाद मुग्धा ने बॉलीवुड का रुख किया और साल 2008 में मधुर भंडारकर की फिल्म फैशन' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की।

इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा के साथ उनकी जोड़ी और उनके किरदार ने दर्शकों का दिल जीत लिया। मुग्धा ने फिल्म में एक सशक्त मॉडल का किरदार निभाया, जिसे क्रिटिक्स और दर्शकों ने खूब सराहा। इसके बाद मुग्धा ने ऑल द बेस्ट', हीरोइन', बेजुबान इश्क' और जेल' जैसी फिल्मों में काम किया। हालांकि, उनकी ज्यादातर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर बहुत बड़ा कमाल नहीं दिखा पाईं, लेकिन मुग्धा के अभिनय और स्क्रीन प्रजेंस को हमेशा सराहा गया।

मुग्धा गोडसे की प्रोफेशनल लाइफ जितनी चर्चा में रही, उतनी ही उनकी पर्सनल लाइफ भी सुर्खियों में रही है। वह लंबे समय से बॉलीवुड अभिनेता राहुल देव के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में हैं। खास बात यह है कि राहुल, मुग्धा से उम्र में 14 साल बड़े हैं, लेकिन दोनों का रिश्ता इस उम्र के फासले को पूरी तरह से नजरअंदाज करता है। दोनों ने अपने रिश्ते को हमेशा खुलकर स्वीकार किया और एक-दूसरे के साथ अपनी बॉन्डिंग को लेकर कई मौकों पर बात की।

मुग्धा और राहुल की केमिस्ट्री न सिर्फ ऑफ-स्क्रीन, बल्कि ऑन-स्क्रीन भी देखने को मिली है। दोनों ने कई प्रोजेक्ट्स में साथ काम किया और उनकी जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया। मुग्धा गोडसे न सिर्फ एक प्रतिभाशाली अभिनेत्री और मॉडल हैं, बल्कि वह फिटनेस फ्रिक भी हैं। वह सोशल मीडिया पर अक्सर अपनी वर्कआउट रूटीन और हेल्दी लाइफस्टाइल की झलकियां साझा करती हैं।

नीलम गिरी ने रिमझिम बरसे बदरवा में किया रेन डांस

भोजपुरी सिनेमा की पॉपुलर एक्ट्रेस नीलम गिरी एक बार फिर अपने दिलकश अंदाज से सोशल मीडिया पर छा गई हैं। हाल ही में उनका नया गाना रिमझिम बरसे बदरवा रिलीज़ हुआ है, जिसमें उन्होंने बेमिसाल रेन डांस कर दर्शकों को दीवाना बना दिया है। इस गाने में नीलम गिरी ट्रेडिशनल साड़ी में नजर आ रही हैं और उनके एक्सप्रेशंस व मूव्स ने दर्शकों के दिल जीत लिए हैं। यह गाना शिल्पी राज की आवाज़ में है और इसका म्यूजिक भी दर्शकों को खूब पसंद आ रहा है। रिलीज़ के कुछ ही घंटों में इस वीडियो को इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर हजारों व्यूज़ मिल चुके हैं।

सोशल मीडिया पर फैंस लगातार इस वीडियो पर कमेंट्स कर रहे हैं। किसी ने लिखा बेहतरीन प्रदर्शन तो कोई उन्हें भोजपुरी की रेन क्वीन बता रहा है। उनके डांस स्टेप्स और कैमरा के प्रति आत्मविश्वास ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि वह इंडस्ट्री की सबसे ग्लैमरस और टैलेंटेड अभिनेत्रियों में से एक हैं।

रिमझिम बरसे बदरवा में नीलम गिरी का यह रेन डांस न केवल विजुअली अट्रैक्टिव है बल्कि म्यूजिकल लेवल पर भी पूरी तरह एंटरटेनिंग है। बारिश के बीच उनकी परफॉर्मेंस और रंग-बिरंगी साड़ी में उनका ट्रेडिशनल ग्लैमर लुक फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। भोजपुरी इंडस्ट्री में नीलम गिरी का यह वीडियो एक बार फिर यह साबित करता है कि वह सिर्फ एक एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि परफॉर्मेंस क्वीन भी हैं, जिनका हर मूव वायरल होने की ताकत रखता है।

अधिकांश देशों के लिए टेढ़ी खीर ट्रंप की टैरिफ रणनीति

प्रो. लल्लन प्रसाद

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की टैरिफ रणनीति ने वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता का वातावरण पैदा कर दिया है। आयात-निर्यात पर लगने वाली ड्यूटी के ऊपर अमेरिका के साथ समझौता करना अधिकांश देशों के लिए टेढ़ी खीर बन गया है। ट्रंप के लिए अमेरिका पहले बाकी सब बाद में। अपने दूसरे कार्यकाल में राष्ट्रपति पद की शपथ लेते हुए उन्होंने जो बातें कही थी उन पर तेजी से अमल कर रहे हैं।

उन्होंने कहा था कि व्यापार, टैक्स, इमीग्रेशन और विदेशी मामलों में जो नीतियां अपनाई जाएंगी उसमें अमेरिका के लोगों के हित को प्राथमिकता दी जाएगी। अपने देशवासियों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा था कि अमेरिका में बनी चीजे खरीदें और अमेरकिंस को नौकरी दें, अमेरिका को फिर से पहले की तरह, शक्तिशाली, संपन्न और गौरवशाली राष्ट्र बनाएं। अमेरिका का व्यापार घाटा दिनों दिन बढ़ता जा रहा है इस स्थिति से निपटने के लिए उन्होंने टैरिफ नीति में व्यापक परिवर्तन की घोषणा कर दी। अधिकांश देशों के साथ घाटे में व्यापार को रोकने के लिए आयात पर भारी टैरिफ लगाने की घोषणा की जिसने अधिकांश राष्ट्रों को समझौते के टेबल पर बैठने को मजबूत कर दिया, इसमें छोटे और बड़े सभी राष्ट्र शामिल हैं। आर्थिक दृष्टि से पिछड़े और छोटे राष्ट्रों ने उनकी बात आसानी से मान ली, किंतु विकसित और कई विकासशील देशों ने इसका का विरोध किया।

कुछ राष्ट्रों के साथ समझौता हो चुका है किंतु अभी बड़ी संख्या में ऐसे राष्ट्र हैं जो उनके द्वारा प्रस्तावित टैरिफ मानने को तैयार नहीं हैं। अमेरिका में रह रहे प्रवासी नागरिक जो अपने आमदनी का कुछ हिस्सा अपने देश में अपने परिवार के लोगों को भेज रहे थे; उस पर पहली बार टैक्स लगाया गया। अमेरिकी इमीग्रेशन नीति में व्यापक परिवर्तन किया गया। अमेरिकी कंपनियों द्वारा विदेशियों की नियुक्ति पर अंकुश लगाए जा रहे हैं। कंपनियों से कहां जा रहा है कि वह दूसरे देशों में अपने प्लांट न लगाकर अमेरिका में ही उत्पादन करें। शुरू में उन्होंने जो टैरिफ रेट प्रस्तावित किए उनमें कंबोडिया, लॉओस, म्यांमार, बांग्लादेश, सर्बिया, थाईलैंड, बोस्निया, इंडोनेशिया और साउथ अफ्रीका को 30 प्रतिशत से 40 प्रतिशत एवं ट्यूनीशिया, कजाकिस्तान, साउथ कोरिया, जापान और मलेशिया को 25 प्रतिशत से 29 प्रतिशत के ब्रैकेट में शामिल किया। न्यूनतम टैरिफ पहले 10 प्रतिशत रखा था बाद में इसे बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया। टेढ़ी उंगली से घी निकालने की नीति अपनाई, पहले जो तारीख तय किया उससे कुछ देश उनके आगे झुक गए, फिर उन्होंने 1 अगस्त की तारीख दी है जिसके बाद भारी टैरिफ लगाने की धमकी दी है। अप्रैल 2025 में अमेरिकी प्रशासन ने वादा किया था 90 दिन में 90 देशों के साथ समझौता कर लेंगे, लेकिन अब तक मात्र पांच देशों के साथ अमेरिका का टैरिफ समझौता हो सका जिसमें ब्रिटेन, जापान, इंडोनेशिया और फिलीपींस शामिल हैं।

यूरोपीय यूनियन के 27 देशों के साथ अभी तक समझौता नहीं हो पाया, ट्रंप के ही शब्दों में उन देशों के साथ समझौते के 50-50 परसेंट चांस है। ब्रिक्स देशों पर ट्रंप ने 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ की घोषणा की क्योंकि उनके अनुसार ये देश अमेरिकी हितों के खिलाफ काम कर रहे हैं। अमेरिकी डॉलर को ट्रंप दुनिया के मुद्राओं का बादशाह मानते हैं और इसको चुनौती देने वाले सभी देशों के ऊपर अतिरिक्त टैरिफ की धमकी दे रहे रहे हैं। ब्राजील के ऊपर तो उन्होंने 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने तक की धमकी दे दी है जिसका वहां के राष्ट्रपति ने विरोध किया है। बदले में अमेरिकी वस्तुओं पर भी 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की बात की। बाहर से आयात होने वाली वस्तुओं पर अमेरिका द्वारा भारी टैरिफ लगाने या प्रतिबंधित करने से बहुत से राष्ट्रों को भारी नुकसान की आशंका है जो उनके मुख्य उत्पाद हैं और जिनका अमेरिका में बड़ी मात्रा में अब तक आयात होता रहा है, जैसे टेक्सटाइल्स, गारमेंट्स, लेदर प्रोडक्ट्स, जेम्स एवं ज्वेलरी, फार्मा प्रोडक्ट्स, ऑटो पार्ट्स और व्हीकल्स आदि। जिन चीजों की अमेरिका में उनकी जरूरत से अधिक पैदावार है जैसे कृषि और डेयरी पदार्थ उनके लिए ट्रंप चाहते हैं कि दुनिया के और देश अपना बाजार अमेरिका के लिए पूरी तरह से खोल दें, भारत पर भी जिसके लिए दबाव डाल रहे हैं।

भारत के 33 अरब डॉलर के र प्रतिशत और आभूषण निर्यात में अमेरिका का हिस्सा 30 प्रतिशत है। अमेरिका के जेनेरिक दवा आयत के 47 प्रतिशत हिस्से की आपूर्ति भारत करता है। अमेरिका से भारत मुख्य रूप से खिनज ईधन, पेट्रोलियम उत्पाद, मोती, कीमती पत्थर, परमाणु रिएक्टर मशीनरी और विद्युत मशीनरी के अलावा चिकित्सा उपकरण, धातुएं सिक्के, वस्त्र और लोहे, इस्पात और अल्युमिनियम की वस्तुएं भी आयात करता है 2030 तक दोनों देशों के बीच में 500 बिलियन डॉलर के व्यापार का लक्ष्य रखा गया है, 2024 में दोनों देशों के बीच 129 बिलियन डॉलर का व्यापार हुआ हुआ था, अमेरिका का व्यापार घाटा भारत के साथ 48 बिलियन डॉलर था। ऊर्जा सुरक्षा दोनों देशों के आर्थिक संबंधों का एक प्रमुख स्तंभ है। भारतीय अर्थव्यवस्था में अमेरिकी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का भी महत्त्वपूर्ण स्थान है। 2023 में भारत में अमेरिकी निवेश का मूल्य लगभग 50 बिलियन डॉलर था। अमेरिका पर भारत का 216 बिलियन डॉलर का कर्ज है जो अमेरिकी ट्रेजरी बांड में भारत के निवेश के रूप में है।

कृषि और डेयरी पदाथरे के लिए विशेष रूप से अमेरिका भारत का बाजार अपने लिए टैरिफ मुक्त चाहता है जिसके लिए भारत तैयार नहीं है क्योंकि इन पर करोड़ों लोगों का जीवन-यापन निर्भर है। भारत को अमेरिका सबसे अधिक टैरिफ लगाने वाले देशों में गिनता है, भारत से निर्यात होने वाली कई वस्तुओं पर उसने टैरिफ कम करने की मांग रखी है। डिजिटल ट्रेड, सेवाओं, टेक्सटाइल्स, फार्मास्यूटिकल्स और कयी औद्योगिक पदाथरे के भारत से निर्यात पर टैरिफ में कमी के संकेत भारत की ओर से दिए जा चुके हैं। पहली अगस्त तक पूरे समझौते की संभावना कम है किंतु अंतरिम समझौता हो सकता है।

(लेख में विचार निजी हैं)

सू- दोकू क्र.36

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.35 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

धन के लिए समाज को क्षति

नागरिकों को भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की अहमियत समझनी चाहिए और आत्म-नियमन का पालन करना चाहिए। देश के हर नागरिक को उच्चतम न्यायालय की इस नसीहत पर अमल करना चाहिए।

आत्म नियमन के अभाव में कई बार इस आजादी के नाम पर अपमानजनक काम हो जाते हैं चाहे वह कोई रचना हो या टिप्पणी। ऐसे काम समाज को दूषित कर सकते हैं या वैमनस्य बढ़ा सकते हैं। स्थिति आगे बढ़कर विभाजनकारी सोच को मजबूत करते हुए साम्प्रदायिक सौहार्द को भी बिगाड़ सकती है।

ऐसी स्थिति की पूर्व कल्पना किसी भी काम से पहले कर लेनी चाहिए। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति के वी विनाथन की पीठ वजाहत खान नामक व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई कर रही है।

खान पर सोशल मीडिया मंच एक्स' पर एक हिन्दू देवता के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट करने का आरोप है। उसके खिलाफ पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों में प्राथमिकी दर्ज हैं।

खान ने एक अन्य सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली के खिलाफ एक वीडियो में कथित तौर पर सांप्रदायिक टिप्पणी करने के लिए शिकायत दर्ज कराई थी। खान के वकील ने शीर्ष अदालत में कहा कि ऐसे पोस्ट के जवाब में आपत्तिजनक टिप्पणियां नहीं की जानी चाहिए।

न्यायालय को लगता है कि लोगों के लिए सोशल मीडिया पोस्ट पर गाइडलाइन होनी ही चाहिए। पीठ ने सवाल किया कि नागरिक स्वयं संयम क्यों नहीं रख सकते? लोगों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मोल समझना ही चाहिए। ऐसा नहीं होने की स्थिति में राज्य का हस्तक्षेप अवश्यंभावी है जो कोई नहीं चाहता। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता 100 फीसद पूर्ण अधिकार नहीं हो सकता, लेकिन नागरिक इस स्वतंत्रता का दुरुपयोग कर रहे हैं।

प्रतिबंध होंगे तो सीमा से बाहर जाने पर कानून का भय रहेगा। पीठ ने संविधान के अनुच्छेद 19 (2) के तहत भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर उचित प्रतिबंधों को सही बताया।

उच्चतम न्यायालय को इस बात पर भी गौर करना चाहिए कि सोशल मीडिया मंच किस तरह लोगों को हदें तोड़ने को प्रोत्साहित कर रहे हैं।

किसी के भी खिलाफ कुछ भी लिख दो, अश्लील से अश्लील सामग्री पोस्ट कर दो। धर्म के खिलाफ अनर्गल पलाप कर दो, सब बिना किसी रोक के प्रकाशित हो रहा है। सबसे पहले इनकी खबर ली जानी चाहिए। धन के लिए इन्हें समाज को क्षति पहुंचाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। (आरएनएस)

यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के बीच एफटीए

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि भारत और चार देशों के यूरोपीय समूह ईएफटीए (यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ) के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) आगामी एक अक्टूबर से लागू होगा।

आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विटजरलैंड ईएफटीए के सदस्य देश हैं। इस समूह का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार स्विटजरलैंड है। बाकी के तीन देशों के साथ भारत का व्यापार बनिस्बत कम है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कारोबारी मामलों में मानसिक अस्थिरता और हर छोटे-बड़े देश पर टैरिफ थोपने की आतुरता के चलते ईएफटीए के तहत मिलने वाली बाजार पहुंच निश्चित ही भारत के लिए उत्साहजनक घटनाक्रम है।

इस बाजार पेशकश में 100 फीसद गैर-कृषि उत्पाद और प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों पर टैरिफ में रियायत शामिल हैं। समझौते में भारत 82.7 फीसद टैरिफ लाइनों की पेशकश कर रहा है, जो ईएफटीए के 95.3 फीसद निर्यात को कवर करती है। दूसरी तरफ, ईएफटीए ने अपनी 92.2 फीसद टैरिफ लाइनों की पेशकश की है। जाहिर है कि इससे दोनों पक्ष लाभान्वित हो सकेंगे। बताया गया है कि समझौता लागू होने से देश में दस लाख से ज्यादा नौकरियां निकलेंगी।

साथ ही, घरेलू ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता वाले स्विस उत्पाद जैसे घड़ियां, चॉकलेट, बिस्कुट आदि कम कीमत पर उपलब्ध हो सकेंगे। समझौते से भारी मात्रा में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आने तथा कई क्षेत्रों में परस्पर आर्थिक सहयोग गहराने की संभावना है। बीते 10 वर्षों में 50 अरब डॉलर का एफडीआई इन देशों से भारत पहुंचा था। उम्मीद है कि एफटीए के कार्यान्यन से अगले 5 वर्षों में 50 अरब डॉलर का अतिरिक्त विदेशी निवेश इन देशों से भारत पहुंचेगा।

दोनों पक्षों के बीच हुआ समझौता नतीजाकुन होने के लिए जरूरी है कि व्यापार, निवेश और व्यावसायिक साझेदारी को बढ़ावा मिले। दोनों ओर के कारोबारियों के लिए व्यापार-अनुकूल माहौल बने। इसके लिए डेडिकेटेड भारत-ईएफटीए डेस्क शुरू की जा रही है, जो सरकारों और निजी कंपनियों, दोनों के लिए एकल खिड़की प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करेगी। विभिन्न देशों के ऐसे छोटे कारोबारी समूहों या ब्लॉकों के बीच होने वाले व्यापार समझौतों से अमेरिका जैसे बड़े देशों की दादागीरी पर यकीनन अंकुश लग सकेगा।(आरएनएस)

मुख्यमंत्री की निगरानी में राहत और बचाव अभियान युद्धस्तर पर जारी

❑रेस्क्यू अभियान को लेकर अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की निगरानी में आपदा क्षेत्र में राहत व बचाव अभियान युद्ध स्तर पर जारी है।

आज यहां मुख्यमंत्री तीन दिन से उत्तरकाशी में ही प्रवास कर स्वयं रेस्क्यू अभियान की कमान संभाले हुए हैं। मुख्यमंत्री ने सुबह जिला मुख्यालय उत्तरकाशी के निकटवर्ती मातली हेलिपैड में जाकर रेस्क्यू अभियान को लेकर अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए और हेलीकॉप्टर से राहत सामग्री की खेप रवाना करवाई।

मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार आपदा प्रभावित क्षेत्र में फंसे लोगों को निकालने के लिए मातली हेलीपैड से सुबह सात बजे से हेलिकॉप्टर्स की आवाजाही का सिलसिला शुरू हुआ। दोपहर तक 128 लोगों को हर्षिल से हेलिकॉप्टर के जरिए मातली हैलिपैड पहुंचाया जा चुका है। मुख्यमंत्री रेस्क्यू अभियान का जायजा लेने में लिये आज फिर से धराली क्षेत्र के भ्रमण पर रवाना हुए हैं।

आपदाग्रस्त धराली क्षेत्र में प्रभावितों को राहत पहुँचाने और लापता लोगों की खोजबीन का अभियान युद्धस्तर पर जारी है। बुनियादी सुविधाओं तथा संचार व्यवस्था की बहाली के लिए विभिन्न एजेंसियां निरंतर जुटी हुई हैं। हर्षिल बगोरी में मोबाईल सेवा बहाल कर दी गई है।

धराली आपदाः रेस्क्यू कार्यो का जायजा लेने उत्तरकाशी पहुंचे डीजीपी

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। धराली में विगत 5 अगस्त को खीरगंगा नदी का जलस्तर अचानक बढने से क्षेत्र में हुयी त्रासदी के बाद से ही आपदा स्थल पर पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, सेना, आईटीबीपी, फायर सर्विस, राजस्व आदि आपदा राहत दल रेस्क्यू कार्यों में जुटे हैं।

घटनास्थल का स्थलीय निरीक्षण/रेस्क्यू कार्यों का जायजा लेने के लिए आज उत्तराखण्ड के पुलिस महानिदेशक, दीपम सेठ उत्तरकाशी पहुंचे हैं, मातली हेलीपैड में लैडिंग के बाद उनके द्वारा मुख्यमंत्री की मीटिंग में प्रतिभाग करने के उपरांत हर्षिल के लिए रवाना हुये हैं।

मातली में उनके द्वारा पुलिस अधिकारियों के साथ मीटिंग कर रेस्क्यू कार्यों की समीक्षा की गयी, सभी को राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाने के लिए जरुरी निर्देश दिये गये। इस दौरान अपर पुलिस महानिदेशक प्रशासन/अभिसूचना एपी अंशुमान, गढवाल आयुक्त विनय शंकर पाण्डेय, पुलिस महानिरीक्षक गढवाल परिक्षेत्र राजीव स्वरुप, वरिष्ठ आईएएस अभिषेक रुहेला, पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे, पुलिस अधीक्षक प्रदीप कुमार राय, एसडीएम बृजेश कुमार तिवारी, पुलिस उपाधीक्षक जनक सिंह पंवार सहित पुलिस-प्रशासन व आईटीबीपी के अधिकारी मौजूद रहे।

भिक्षावृत्ति व बालश्रम से मुक्त 57 बच्चों का हुआ स्कूल में दाखिला

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बसंल के अभिनव प्रयासों से अब 57 बच्चों को माइंड रिफार्म कर शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ते हुए स्कूलों में दाखिला दिया गया है।

आज यहां जिलाधिकारी सविन बसंल के नेतृत्व में जिला प्रशासन के अभिनव प्रयासों से भिक्षावृति एवं बाल मजदूरी उन्मूलन अभियान के तहत जनपद में भिक्षावृत्ति में संलिप्त बच्चों को रेस्क्यू कर बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए माइक्रो प्लान के तहत साधूराम इंटर कॉलेज में आधुनिक इनेसेटिव केयर सेन्टर आधुनिक शिक्षा प्रणाली व अन्य क्रियात्मक गतिविधि से शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है। अब 57 बच्चों को माइंड रिफार्म कर शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ते हुए स्कूलों में दाखिला दिया गया है। वर्तमान में आधुनिक इंटेसिव केयर सेंटर में लगभग 50 बच्चों को विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा शिक्षा की मुख्यधारा में जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। आधुनिक इन्टेंसिव केयर सेंटर से 57 बच्चों, शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़ते हुए स्कूल में मिला दाखिला दिला दिया गया है। इस सेन्टर में भविष्य बदलने की ओर अग्रसर है, जहां कम्प्यूटर, संगीत,

❑डीएम के प्रयास से शिक्षा बिन सूखे बचपन तक पहुंची ज्ञानगंगा

योगा, गेम्स, प्राजेक्टर से बच्चे शिक्षा में विलीन हो रहे हैं तथा एक्टिविटी बेस्ट लर्निंग से बच्चों में सीख रहे है। सितम्बर से अब तक 300 से अधिक बच्चों को भिक्षावृत्ति एवं बालश्रम से रेस्क्यू किया जा चुका है। जिलाधिकारी ने बाल भिक्षावृत्ति व बाल मजदूरी रोकना हमारी सिर्फ अधिकारिक नही कुछ नैतिक जिम्मेदारी भी है जिले को हरहाल में भिक्षावृत्ति, बालश्रम मुक्त करना है जिसके लिए जिला प्रशासन का निरंतर प्रयास जारी है। जिले में देखते ही देखते राजधानी में राज्य का पहला आधुनिक सुविधाओं से लेस इंटेसिव केयर सेंटर तैयार, जिसमें माइक्रो प्लान के तहत् बच्चों को विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने का पुनित कार्य किया जा रहा है। भिक्षावृत्ति, बालश्रम से रेस्क्यू बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना ही प्रशासन का लक्ष्य है।

दुपहिया वाहन चोर गिरोह का खुलासा, दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। दुपहिया वाहन चोर गिरोह का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से चुरायी गयी पांच बाइक भी बरामद हुई है। आरोपी शातिर किस्म के बदमाश है जिनमें से एक के ऊपर 5 हजार रूपये का ईनाम भी घोषित है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज सौरभ पुत्र कुंवरपाल सिह निवासी सादौल माजरा थाना मंगलौर जनपद हरिद्वार ने कोतवाली लक्सर पर अपनी बाइक अज्ञात चोरों द्वारा चुराने का मुकदमा दर्ज कराया गया था। मामले में कार्यवाही करते हुए पुलिस ने एक सूचना के बाद ग्राम अकबरपुर को जाने वाली रोड पर स्थित खण्डर के पास से 2 संदिग्धों को दबोचकर उनकी

निशानदेही पर चुरायी गयी 5 मोटर साईकिल बरामद की गई। पूछताछ में उन्होने अपना नाम अंकित पुत्र नेत्रपाल निवासी धनोरा थाना कलियर जनपद हरिद्वार व प्रवण पुत्र सुभाष चन्द निवासी धनोरी थाना कलियर जनपद हरिद्वार बताया। बताया कि वह अपने महंगे शौक पूरे करने के लिए बाइक चोरी की वारदातों को अंजाम देते हैं व चुराई गयी बाइक औने पौने दामों में बेचने पर मुनाफा कमाते हैं। आरोपी प्रणव पूर्व में भी चोरी की कई घटनाओं को अंजाम दे चुका है जो थाना भगवानपुर से डकैती के मुकदमें में 5 हजार का ईनामी फरार बदमाश है।

जीवन में अनुशासन का होना अत्यंत महत्वपूर्णः ब्रिगेडियर भंडारी

संवाददाता

देहरादून। ब्रिगेडियर प्रभात भंडारी ने कहा कि जीवन में अनुशासन का होना अत्यंत महत्वपूर्ण हैं

आज यहां 84 उत्तराखंड बटालियन एनसीसी, रुड़की के तत्वाधान में दस दिवसीय प्री थल सेना शिविर - प्रथम का आयोजन फोनिक्स विश्वविद्यालय, रुड़की में किया जा रहा है। कैंप में प्रतिभाग करने हेतु बटालियन के 452 कैडेट्स व प्री थल सेना शिविर में प्रतिभाग करने हेतु उत्तराखंड राज्य से 99 चयनित कैडेट्स पहुंचे हैं। शिविर का शुभारंभ ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर प्रभात भंडारी द्वारा किया गया। कैंप में उपस्थित सभी 551 एनसीसी कैडेटस को प्रोत्साहित करते हुए ब्रिगेडियर ने कहा कि जीवन में अनुशासन का होना अत्यंत महत्वपूर्ण हैं व शिविर में आयोजित गतिविधियों को कैडेट के व्यक्तित्व में अत्यंत प्रभावी होना बताया गया। ब्रिगेडियर भंडारी द्वारा कैडेट्स को फायरिंग प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान देने हेतु कहा गया और बताया गया

कि यह एक ऐसी विद्या है जो सारा जीवन आपके काम आएगी। एक अनुशासित सिपाही को जीवन में बंदूक चलाना जरूर आना चाहिए। कैम्प कमांडेंट ले. कर्नल अमन कुमार सिंह द्वारा बताया गया कि कैडेट्स को इस कैंप में ड्रिल, मैप रीडिंग, टेंट पिचिंग, जेडीऑफअस व हेल्थ एंड हाइजीन आदि के बारे में विशेषज्ञों द्वारा ट्रेनिंग प्रदान की जाएगी। इसके उपरांत उत्तराखंड राज्य के चयनित दल द्वारा थल सेना कैम्प, नई दिल्ली द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा। इस कैम्प में कैडेट्स को शारीरिक व मानसिक रूप से जांचा परखा जाएगा। इस अवसर पर ग्रुप कमांडर द्वारा उत्तराखंड राज्य के विभिन्न जनपदों से आए हुए एनसीसी कैडेट्स के लिए इस कैम्प के आयोजन हेतु विश्वविद्यालय परिसर उपलब्ध कराने पर संस्था के चेयरमैन चौरब जैन को धन्यवाद प्रेषित किया।

राखी, राहत और रिश्ता: आपदा के बीच मानवीय संवेदनाओं का मार्मिक दृश्य

संवाददाता

धराली। आपदा के बाद राहत व बचाव के निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को गुजरात के अहमदाबाद स्थित ईशनपुर निवासी श्रीमती धनगौरी बरौलिया ने साडी का टुकडा फाडकर राखी बांधी, यह दृश्य अत्यंत भावुक कर देने वाला था जिससे लोगों की आंखें नम हो गयी।

आज यहां उत्तरकाशी जनपद के धराली क्षेत्र में आई आपदा के बाद राहत और बचाव कार्यों का निरीक्षण कर रहे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सामने एक अत्यंत भावुक कर देने वाला दृश्य सामने आया, जिसने वहां उपस्थित सभी लोगों की आंखें नम कर दीं। गुजरात के अहमदाबाद स्थित ईशनपुर निवासी श्रीमती धनगौरी बरौलिया अपने परिवार के साथ गंगोत्री दर्शन के लिए उत्तराखंड आई थीं। 5 अगस्त को आई भीषण आपदा के कारण वे धराली में अपने परिवार सहित फंस गईं। मार्ग अवरुद्ध होने और लगातार मलबा व तेज बहाव के कारण स्थिति अत्यंत चुनौतीपूर्ण हो गई थी। प्रदेश सरकार के निर्देशों पर आपदा प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित राहत व बचाव कार्य प्रारंभ किए गए। मुख्यमंत्री स्वयं तीन दिनों से लगातार क्षेत्र में मौजूद रहकर राहत कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। रेस्क्यू टीमों के अथक प्रयासों से श्रीमती बरौलिया और उनके परिवार को सुरक्षित निकाला गया।

❑अहमदाबाद निवासी एक महिला ने साडी का टुकडा फाडकर सीएम धामी को बांधी राखी

रक्षाबंधन से पहले दिन जब मुख्यमंत्री प्रभावित क्षेत्र में मौजूद थे, तब श्रीमती बरौलिया ने भावुक होकर अपनी साड़ी का एक टुकड़ा फाड़कर उसे राखी के रूप में मुख्यमंत्री धामी को बांधा। यह दृश्य वहां उपस्थित सभी लोगों को गहराई से छू गया। मुख्यमंत्री ने भी इस भावनात्मक क्षण को विनम्रता से स्वीकार करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार आपदा की इस घड़ी में हर प्रभावित नागरिक के साथ खड़ी है और हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। धराली जैसे दुर्गम क्षेत्र में मानवीय संवेदनाओं का यह दृश्य विपदा के बीच आशा, विश्वास और सामाजिक एकजुटता की मिसाल बना।

20 हजार का ईनामी लुटेरा गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। प्रेमनगर क्षेत्र में दो वर्ष पूर्व हुई लूट मामले में फरार चल रहे 20 हजार के ईनामी लुटेरे को एसटीएफ द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी शातिर किस्म का अपराधी है जो तीन वर्ष पूर्व हरियाणा में हुई हत्या के मामले में भी फरार चल रहा था।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कि बीते रोज एसटीएफ की टीम द्वारा थाना प्रेमनगर जनपद देहरादून लूट के एक मामले में फरार चल रहे आरोपी अमरजीत उर्फ अम्मु पुत्र गुलजार सिंह निवासी झंडी वाली गली, खैरपुर कालोनी, थाना सिविल लाईन जनपद सिरसा, हरियाणा को पंजाब के जनपद संगरूर की मुबारक महल कालोनी थाना सिटी संगरुर से गिरफ्तार किया गया है। बताया कि देहरादून के प्रेमनगर थाना क्षेत्र के ठाकुरपुर रोड़ पर दिनांक 10 अगस्त, 2023 को 3 अज्ञात बदमाशों द्वारा राघव विहार, प्रेमनगर में रहने वाले राजेश सिंह से रात को मोटर साईकल लूट कर फरार हो गए थे। जिस सम्बन्ध में थाना प्रेमनगर में 3 अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। जांच के दौरान एक आरोपी अमरजीत उर्फ अम्मु का नाम प्रकाश में आया था जो कि घटना के बाद से ही फरार चल रहा था। जिस पर एसटीएफ की टीम द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद फरार चल रहे आरोपी अमरजीत उर्फ अम्मु पुत्र गुलजार सिंह निवासी झंडी वाली गली, खैरपुर कालोनी, थाना सिविल लाईन जनपद सिरसा, हरियाणा को संगरूर, पंजाब से गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी अमरजीत उर्फ अम्मु द्वारा वर्ष 2022 मे हरियाणा के सिरसा जनपद सरकारी अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में एक व्यक्ति को गोली मारकर हत्या कर फरार हो गया था जिस सम्बन्ध में थाना सिरसा सिटी, हरियाणा में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज है। वहीं आरोपी राजस्थान में भी एनडीपीएस एक्ट के तहत जेल जा चुका है।

भाजपा ने ब्लाक प्रमुख पदों के लिए उम्मीदवारों का एलान किया

हमारे संवाददाता

देहरादून। क्षेत्र पंचायत प्रमुख (ब्लाक प्रमुख) चुनावों के लिए भाजपा ने अपने प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी गयी है।

भाजपा प्रदेश महामंत्री राजेन्द्र बिष्ट ने आज इस सम्बन्ध में विज्ञिप्त जारी करते हुए बताया कि पार्टी की त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव समिति ने अधिकांश नामों पर अपनी मोहर लगा दी है। घोषित की गयी सूची में राज्य के सभी जिलों के प्रत्याशी शामिल है। पार्टी ने महिला, ओबीसी, अनूसूचित जाति और अनूसूचित जन जाति वर्ग के उम्मीदवारों को प्रतिनिधित्व दिया गया है।

भारतीय जनता पार्टी, उत्तराखण्ड

39/29/3, बलवीर रोड, देहरादून – 248001

दिनांक : 08.08.2025

प्रेस विज्ञप्ति

भारतीय जनता पार्टी, उत्तराखण्ड की त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव समिति ने आगामी क्षेत्र पंचायत प्रमुख चुनाव के लिए निम्नलिखित नामों पर अपनी स्वीकृति प्रदान की है –

क्षेत्र पंचायत प्रमुख प्रत्याशी

क्र.	जिला	क्षेत्र पंचायत का नाम	आरक्षण श्रेणी	अधिकृत प्रत्याशी का नाम
1.	उत्तरकाशी	नौगाव	ओबीसी (महिला)	श्रीमती शीतल गौड
		पुरोला	अनु.जाति (महिला)	श्रीमती निशिता
		डुण्डा	सामान्य	श्री राजदीप परमार
		भटवाड़ी	महिला	श्रीमती ममता पंवार
2.	चमोली	दशोली	अनु.जाति (महिला)	श्रीमती विनीता देवी
		पोखरी	महिला	श्रीमती मीना रावत
		नारायणबगड़	सामान्य	श्री यशपाल सिंह
		थराली	सामान्य	श्री भानु प्रकाश
		गैरसैंण	महिला	श्रीमती दुर्गा रावत
		कर्णप्रयाग	महिला	श्रीमती दीपिका मैखुरी
3.	रूद्रप्रयाग	अगस्त्यमुनि	अनु.जाति (महिला)	श्रीमती भुवनेश्वरी देवी
		ऊखीमठ	सामान्य	श्री गजेन्द्र चौधरी
		जखोली	महिला	श्रीमती सरिता पंवार
4.	टिहरी	भिलंगना	सामान्य	श्री राजीव कण्डारी
		कीर्तिनगर	अनु.जाति (महिला)	श्रीमती अंचला खण्डेवाल
		नरेन्द्रनगर	महिला	श्रीमती दीक्षा राणा
		प्रतापनगर	महिला	श्रीमती मनीषा पंवार
		जाखणीधार	सामान्य	श्री राजेश नौटियाल
		चम्बा	महिला	श्रीमती सुमन सजवाण
		थौलधार	सामान्य	श्री सुरेन्द्र भंडारी
		जौनपुर	ओबीसी (महिला)	श्रीमती सीता रावत
5.	देहरादून	विकासनगर	सामान्य	श्री नारायण ठाकुर
		रायपुर	सामान्य	श्रीमती सरोजनी जवाडी
		डोईवाला	सामान्य	श्रीमती मंजू नेगी
6.	पौड़ी	पौड़ी	सामान्य	श्री विनोद भंडारी
		कोट	अनु.जाति	श्री गणेश कुमार कोली
		कल्जीखाल	अनु.जाति (महिला)	श्रीमती गीता देवी
		खिर्सू	सामान्य	श्री अनिल भंडारी
		थलीसैंण	महिला	श्रीमती मंजू देवी
		पाबौ	महिला	श्रीमती लता देवी

अपनों की तलाश में भटक रहे हैं लोग

विशेष संवाददाता

धराली। धराली आपदा कुछ लोगों को ऐसी गहरा जख्म दे गई है कि वह जीवन भर नहीं भर सकेंगे। अपनों की तलाश में आए सैकड़ो लोग भले ही धराली तक नहीं पहुंच सके हैं लेकिन दिल में अपनों के जीवित होने की उम्मीदे और आंखों में आंसू भर वह उनके बारे में कोई सूचना मिलने का इंतजार कर रहे हैं।

मीडिया कर्मियों द्वारा जब इन लोगों से कुछ भी पूछा जाता है तो उनकी आंखों से आंसू छलक पड़ते हैं। यहां आए लोगों में कुछ ऐसे भी हैं जिनके दो से लेकर 6 परिजन तक यहां काम करते थे लेकिन अब किसी का कोई पता नहीं चल पा रहा है। सेना के आठ जवानों से लेकर अगर इन तमाम लोगों के परिजनों से बात की जाए तो इनकी संख्या 100 से 150 तक के बीच है। एक बूढ़े माता-पिता का कहना है कि उनके 6 बेटों सहित उनके परिचित 26 लोग यहां काम करते थे लेकिन अभी तक किसी से भी संपर्क नहीं हो सका है। लापता लोगों में अधिकांश नेपाली व तिब्बती तथा बिहार, यूपी आदि राज्यों के हैं जो यहां होटलों में काम करते थे।

●लापता लोगों में अधिकांश
●नेपाल व बाहर के लोग
●सैकड़ों लोगों का नहीं चल पा रहा है पता
●थम नहीं पा रहे हैं आंसू, फिर भी उम्मीद बाकी

आपदा को आए आज 5 दिन का समय हो चुका है जैसे-जैसे समय बीत रहा है लापता लोगों के मरने की संभावनाएं बढ़ती जा रही है जो मलबे में दबे हैं अब उनके जीवित होने की संभावनाएं लगभग खत्म हो चुकी है। लोगों का कहना है कि उन्हें कुछ तो पता चले कि हमारे परिजनों का आखिर हुआ क्या? वह किस हाल में है। जीवित भी है या नहीं यहां कोई अपने बच्चों को तलाश रहा है तो कोई अपने भाई और कोई अपने पति या रिश्तेदार को। लेकिन उन्हें उनके सवालों का जवाब कोई देने वाला नहीं है।

नीलकंठ का चोला पहन घूम रहा दुष्कर्मी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। नीलकंठ का चोला पहनकर घूम रहे दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म मामले में फरार चल रहा था।

ऑपरेशन कालनेमी के तहत लगातार कार्यवाही कर रही पुलिस ने बीते रोज बड़ी सफलता अर्जित करते हुए बच्ची से दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार बीते रोज पुलिस को चण्डीघाट क्षेत्र में एक व्यक्ति भगवान शिव का वेश धारण कर घूमते हुए मिला। पुलिस को देख उक्त व्यक्ति की हरकतों में आए बदलाव से संदिग्धता प्रकट होने पर पुलिस कर्मियों ने जब उक्त व्यक्ति से पूछताछ की तो उक्त बहरूपिए ने अपना परिचय दीपक सैनी, निवासी सुभाष नगर ज्वालापुर के रुप में देते हुए बताया कि वह लड़कियों व महिलाओं को शिव भगवान का आशीर्वाद व प्रसाद देकर उनकी मनोकामना पूर्ण होने का आश्वासन देता है। जिस पर टीम कॉर्डिनेशन स्थापित कर उक्त व्यक्ति की विस्तृत जानकारी एकत्रित की गई तो सामने आया कि वह थाना श्यामपुर पर पूर्व में दर्ज पोक्सो एक्ट मामले में फरार चल रहा है। जिसमें उस पर नाबालिक लड़की को बहला-फुसलाकर एवं झूठे प्रलोभन देकर उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोप हैं। जिस पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी खुद को परम ज्ञानी एवं त्रिकालदर्शी शिवभक्त बताकर भोली-भाली महिलाओं और छोटी बच्चियों को बहला-फुसला कर प्रसाद खिला कर गलत कार्य करता था। पुलिस आरोपी का शिकार बनी अन्य महिलाओं/बच्चियों की भी तलाश कर रही है ताकी ढोंगी बाबा को उसके किए कार्यों के लिए सख्त से सख्त सजा दिलाई जा सके। पुलिस के अनुसार जांच के दौरान पता चला कि आरोपी पर अपनी पत्नी से मारपीट, गाली-गलौच कर दहेज के लिए प्रताड़ित करने के आरोप में थाना मंडी, जनपद सहारनपुर, उत्तर प्रदेश में दहेज अधिनियम तथा भा.द.वि. की अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज है। इसके अतिरिक्त भी धार्मिक स्वतंत्रता को आघात करने बलवा, मारपीट, शांतिभंग के आरोपों में कोतवाली ज्वालापुर में विभिन्न मुकदमें दर्ज हैं।

❑बच्ची से दुष्कर्म मामले में चल रहा था फरार

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।